www.summerexpress.in

समर एक्सप्रेस

सूर्योदय सुबह 7:21 बजे
सूर्यास्त शाम 5:43 बजे

R.N.I NO. CHMUL/25/A1155

साल-1 अंक-131 पृष्ठ-8 मूल्य-5 रूपये वीरवार 15 जनवरी 2026 • चंडीगढ़ • पंजाब • हरियाणा • हिमाचल • ग्रुप एडिटर : अर्शदीप सिंह समर एग्जीक्यूटिव एडिटर : चंदन स्वप्निल

न्यूज ब्रीफ

सांभल हिंसा मामले में कोर्ट का फरमान

सांभल | सांभल की शाही जामा मस्जिद सर्वे हिंसा, जो 24 नवंबर 2024 को हुई थी, में जिला कोर्ट ने मंगलवार को 12 पुलिस अधिकारियों के खिलाफ FIR दर्ज करने का आदेश दिया। यह आदेश यमीं की शिकायत पर आया, जिसमें उनके बेटे आलम पर पुलिस की गोली लगने का दावा किया गया था। तत्कालीन CO अनुज चौधरी, SHO और अन्य अधिकारी नामजद हैं। घटना में पांच लोग मारे गए, कई घायल हुए और 2,200 से अधिक लोगों को नामजद किया गया। SP कृष्ण कुमार बिश्नोई ने इसे अवैध बताया और FIR दर्ज करने से इनकार किया।

सबरीमाला में हाईकोर्ट ने विजिलेंस को सौंपी जांच

तिरुवनन्तपुरम | केरल के सबरीमाला मंदिर में घी प्रसाद की बिक्री में 35 लाख रुपये के गबन का आरोप लगा है। 17 नवंबर से 26 दिसंबर 2025 तक 13,679 पैकेट की रकम बोर्ड में जमा नहीं हुई। मंदिर प्रशासन और TDB की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे। केरल हाईकोर्ट ने विजिलेंस और एंटी करप्शन विभाग को पूरे मामले की जांच के आदेश दिए हैं और एक महीने में रिपोर्ट सौंपने को कहा है।

हाईकोर्ट ने टीएमसी की याचिका निपटाई

कोलकाता | कलकत्ता हाईकोर्ट ने बुधवार को टीएमसी की उस याचिका का निपटारा कर दिया, जिसमें पार्टी ने ईडी की हालिया छापेमारी के बाद अपने राजनीतिक और व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा की मांग की थी। यह फैसला तब आया जब ईडी ने अदालत को स्पष्ट किया कि I-PAC के दफ्तर और उसके निदेशक प्रतीक जैन के आवास से "कुछ भी जब्त नहीं किया गया है।" ईडी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस. वी. राजू ने बताया कि तलाशी में कोई दस्तावेज या अन्य सामग्री जब्त नहीं की गई। जज सुव्रा घोष ने कहा कि ईडी और भारत सरकार के बयान के मद्देनज़र याचिका पर आगे कुछ विचार करने की आवश्यकता नहीं है। अदालत ने टिप्पणी की कि जब एजेंसी स्वयं यह स्पष्ट कर रही है कि कोई जब्ती नहीं हुई, तो टीएमसी की आशंका का आधार समाप्त हो जाता है। इसके साथ ही हाईकोर्ट ने पार्टी की याचिका का निस्तारण कर दिया।

सिटीजन रिपोर्टर

अब आप भी बन सकते हैं समर एक्सप्रेस के सिटीजन रिपोर्टर। अपने इलाके की कोई भी समस्या, आयोजन, जानकारी या खबर हमें भेजें। आपके नाम के साथ प्रकाशित की जाएगी। अपनी खबर इस फोन नंबर 7986630191 या ईमेल infosummerexpress@gmail.com पर भेजें।

139 पावन स्वरूपों का कोई रिकॉर्ड एसजीपीसी के पास नहीं: सीएम मान

बोले-बजट सत्र में महिलाओं को एक हजार रुपये देने के वादे को भी पूरा करेंगे

समर न्यूज़ | मुक्तसर

पंजाब के श्री मुक्तसर साहिब में माघी मेले में बुधवार को सियासी अखाड़ा सजा। आप-भाजपा और अकाली दल ने अपनी-अपनी सियासी रैलियों से पंजाब के अगले विधानसभा चुनाव 2027 का बिगुल फूंक दिया। वहीं कांग्रेस ने माघी मेले में सियासी स्टेज न लगाकर इससे किनारा किया है।

इस बार माघी मेला राजनीतिक रूप से इसलिए भी अहम माना जा रहा है क्योंकि यह साल का पहला बड़ा धार्मिक आयोजन है और अगले वर्ष आचार संहिता लगने की संभावना के चलते पार्टियों के लिए यह अंतिम बड़े मंचों में से एक हो सकता है। आप के लिए माघी एक अवसर है, खासकर हालिया जिला परिषद और पंचायत समिति चुनावों में कुछ इलाकों में कमजोर प्रदर्शन के बाद दोबारा जनाधार मजबूत करने का।

बंगा के डेरे से 169 पावन स्वरूप बरामद : सीएम

मुक्तसर में आयोजित माघी कॉन्फ्रेंस के दौरान पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने 328 पावन स्वरूपों को लेकर बड़ा बयान दिया है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि इनमें से 139 पावन स्वरूपों का शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) के पास कोई रिकॉर्ड ही नहीं है। उन्होंने आगे बताया कि कमेटी के पास सिर्फ 30 पावन स्वरूपों की पर्चियां मौजूद हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बंगा के एक डेरे से 169 पावन स्वरूप बरामद किए गए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस मामले की जांच एसआईटी पूरी ईमानदारी से कर रही है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की छपाई की जिम्मेदारी शिरोमणि कमेटी की ही बनती है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने महिलाओं को लेकर एक बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि पंजाब की महिलाओं को जल्द ही एक हजार रुपये मिलेंगे। उन्होंने बताया कि आगामी बजट सत्र में 1000 रुपये देने के वादे को भी पूरा किया जाएगा।

लूटने के लिए बारी का इंतजार कर रहे: मान

भगवंत मान ने कहा लोगों के हक में खड़े होने से बारी मिलती है। ये लूटने के लिए बारी का इंतजार कर रहे हैं। कांग्रेस के रैली न करने पर मान ने कहा कि उनकी आपस में नहीं बनती। सुखबीर बादल पर भगवंत मान ने कहा कि वो खुद ही कह रहा है कि बोलने वाला कोई नहीं, उनका मेला खत्म। बादलों की बसों में जो आए हैं, उनमें से ज्यादातर आप की रैली में हैं

मंत्री भुल्लर का कांग्रेस पर तंज

मंत्री लालजीत भुल्लर ने बताया कि सरकार की तरफ प्रदेश के अलग-अलग जिलों से संगत को माथा टेकने के गुरुद्वारा साहिब श्री मुक्तसर साहिब तक पहुंचाने के लिए बसों का इंतजाम किया है। कांग्रेस पर तंज करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपनी हार मान चुकी है। इसीलिए पार्टी ने बिना चेहरे के चुनाव लड़ने की बात की है। उन्होंने कहा कि इसीलिए उन्होंने माघी मेले में कॉन्फ्रेंस नहीं की।

एसएसएपी व डीएसपी तो पैसे लेकर लगाते हैं: सुखबीर

सुखबीर बादल ने आप पर हमला बोला। सुखबीर बादल ने कहा कि ये पंजाब संवारने या आपका दुख दर्द कम करने नहीं आए है। इनका निशाना है यहां से पैसा इकट्ठा कर दूसरे राज्यों में आम आदमी पार्टी का प्रचार करना और इलेक्शन लड़ना है। बादल ने कहा कि गैंगस्टर रोज धमकियां दे रहे हैं। कबड्डी खिलाड़ी कुछ दिनों में मार दिए गए। वहीं, अब गांव वालों को धमकियां आनी शुरू हो गई हैं। ऐसा इसलिए हो रहा है कि क्योंकि एसएसएपी व डीएसपी तो पैसे लेकर लगाते हैं। जब वह अधिकारियों से पूछते है तो जवाब मिलता है कि जब किसी को पकड़ते हैं तो ऊपर से फोन आ जाता है। छोड़ने पड़ते हैं। वरना ट्रांसफर कर देते हैं।

मुक्तसर जमीन का टुकडा नहीं, शहादत की धरती : अनुराग

भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि अगर हम हैं, या भारत है तो श्री गुरु गोबिंद की वजह और दूसरे गुरुओं के कारण है। मैं उन्हें नमन करता हूं। गुरु गोबिंद सिंह हों, गुरु तेग बहादुर जी हों, उनके सामने सिर झुकता है। जब मुगल भारत को लूट रहे थे, धर्मांतरण करवा रहे थे, तब धर्म नहीं बदला और अपना परिवार न्यौछावर कर दिया। यह मुक्तसर जमीन का टुकडा नहीं, शहादत की धरती है।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान। - समर न्यूज

धार्मिक उत्सव भी पूरे जोरों पर रहा

हजारों श्रद्धालु गुरुद्वारा दरबार साहिब में स्नान, माथा टेकने और 40 मुक्तों की शहादत को नमन करने पहुंचे। श्रद्धालुओं ने सरोवर में पवित्र स्नान किया और गुरुद्वारे के परिसर में लगे मंचों पर चल रहे कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। पुलिस ने मेले के आसपास विशेष नाके लगाए, भीड़ नियंत्रण के लिए सीसीटीवी कैमरे और ड्रोन निगरानी तैनात की। रैली और धार्मिक कार्यक्रमों में किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए प्रशासन सतर्क रहा।

जनाधार होने का संदेश देने की कोशिश

भारत आप समेत सभी राजनीतिक पार्टियों ने इन रैलियों में भीड़ जुटाकर पूरे पंजाब को अपनी ताकत दिखानी चाही और पब्लिक को अपने जनाधार होने का संदेश देने की कोशिश है। आम आदमी पार्टी ने पंजाब भर के विधायकों को भीड़ जुटाने की जिम्मेदारी सौंपी थी। वहीं अकाली दल ने हर गांव से अपने कार्यकर्ताओं को रैली में आने को कहा है। उधर, भाजपा ने भी इस रैली में भीड़ जुटाकर ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी मौजूदगी का अहसास कराया।

कांग्रेस ने बनाई दूरी, नहीं लगाया स्टेज

वहीं, कांग्रेस की ओर से स्टेज नहीं लगाया गया है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, मनरेगा के समर्थन में चल रही रैलियों, 'मनरेगा बचाओ संघर्ष' और कांग्रेस की अंदरूनी गुटबाजी के चलते इस बार माघी पर सियासी कॉन्फ्रेंस नहीं करने का फैसला लिया गया है। बताया जा रहा है कि पार्टी के एक बड़े धड़े में इस फैसले को लेकर अंदरखाने नाराजगी है। कई नेता इसे मालवा जैसे निर्णायक इलाके में राजनीतिक अवसर गंवाने के तौर पर देख रहे हैं।

असम की सियासत में कांटे की टक्कर

सर्वे में भाजपा आगे, अनिश्चित मूडवाले वोटर बढ़ा रहे बेचैनी

एजेंसी | गुवाहाटी

असम विधानसभा चुनाव से पहले सियासी माहौल दिलचस्प मोड़ पर पहुंच गया है। एक ताज़ा सर्वे भले ही बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए को मामूली बढ़त दिखा रहा हो, लेकिन तस्वीर उतनी सरल नहीं है, जितनी आंकड़ों में दिखती है। वोट वाइब के इस सर्वे ने यह संकेत दे दिया है कि मुकाबला बेहद कड़ा होने वाला है और सत्ता पक्ष के लिए खतरे की घंटी भी बज चुकी है। सर्वे के मुताबिक, एनडीए को 33.4 फीसदी वोट शेयर मिलने की संभावना जताई गई है, जबकि विपक्षी इंडिया ब्लॉक 30.9 फीसदी पर बना हुआ है। दोनों के बीच सिर्फ 2.5 फीसदी का अंतर है। चुनावी गणित को और उलझाने वाला तथ्य यह है कि करीब 20 फीसदी मतदाता अब भी अनिर्णीत हैं। यही वोटर आगे चलकर चुनाव की दिशा तय कर सकते हैं। राज्य में एंटी-इनकंबेंसी की आहट भी साफ़ सुनाई दे रही है। बेरोजगारी, बाढ़ और पुनर्वास जैसे पुराने मुद्दों के साथ-साथ लोकप्रिय गायक जुबीन गर्ग की मौत से जुड़ा भावनात्मक सवाल भी मतदाताओं के मन में गहराई से बैठा हुआ है। सर्वे में लोगों ने अपनी प्राथमिकताएं खुलकर बताईं- बेरोजगारी सबसे बड़ा मुद्दा बनकर सामने आई, जिसे करीब एक चौथाई मतदाताओं ने अहम बताया। इसके बाद बाढ़, भ्रष्टाचार और जुबीन मामले की निष्पक्ष जांच जैसे मुद्दे चुनावी चर्चा के केंद्र में हैं।

उम्र के हिसाब से देखें तो पीढ़ियों के बीच साफ़ फर्क नज़र आता है। 18 से 24 वर्ष के युवा मतदाता इंडिया ब्लॉक की ओर ज्यादा झुकते दिख रहे हैं, जबकि 55 वर्ष से अधिक उम्र के मतदाताओं में एनडीए को मजबूत समर्थन मिल रहा है। यही पीढ़ीगत विभाजन चुनाव को और रोचक बना रहा है। मुख्यमंत्री पद को लेकर भी मुकाबला दिलचस्प है। मौजूदा मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा को 48.2 फीसदी लोगों की पसंद बताया गया है, जबकि कांग्रेस नेता गौरव गोगोई 42 फीसदी समर्थन के साथ कड़ी चुनौती देते दिखते हैं। पुरुष मतदाताओं में गोगोई आगे हैं, जबकि महिलाओं में सरमा को स्पष्ट बढ़त मिली है। युवा मतदाता गोगोई के साथ खड़े दिखते हैं, वहीं बुजुर्गों का भरोसा सरमा पर ज्यादा है।

सरकार के कामकाज को लेकर जनता की राय पूरी तरह नकारात्मक नहीं है। करीब 58 फीसदी लोगों ने सरकार के प्रदर्शन को अच्छा या शानदार बताया है, लेकिन युवाओं में असंतोष का स्तर अधिक है। इसके उलट, वरिष्ठ नागरिक सरकार से ज्यादा संतुष्ट दिखाई देते हैं।

कुल मिलाकर, सर्वे यह संकेत देता है कि एनडीए भले ही आगे हो, लेकिन उसकी बढ़त बेहद नाजुक है। अनिर्णीत मतदाता, युवाओं की नाराज़गी, मुस्लिम वोटरों का झुकाव और भावनात्मक मुद्दे चुनाव को अंतिम क्षण तक अनिश्चित बनाए रख सकते हैं। सवाल यही है कि क्या ये कारक बीजेपी की लगातार तीसरी जीत की राह में रोड़ा बनेंगे, या फिर हिमंता बिस्वा सरमा एक बार फिर सत्ता में वापसी करेंगे, इसका जवाब मतदाता ही देंगे।

ईरान के प्रदर्शनकारियों को ट्रंप का संदेश

लड़ाई जारी रखो, मदद आ रही

एजेंसी | वाशिंगटन

ईरान में जारी व्यापक विरोध प्रदर्शनों के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक बयान ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में हलचल तेज कर दी है। ट्रंप ने ईरानी जनता को सीधे संबोधित करते हुए प्रदर्शन जारी रखने और सरकारी संस्थानों पर कब्ज़ा करने का आह्वान किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर किए गए अपने पोस्ट में उन्होंने प्रदर्शनकारियों को "ईरानी देशभक्त" बताया और लिखा—"डटे रहो, मदद आ रही है।" ट्रंप का यह संदेश ऐसे समय आया है जब ईरान में आर्थिक संकट, महंगाई और शासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन दो हफ्तों से ज्यादा समय से चल रहे हैं। धीरे-धीरे ये प्रदर्शन पूरे देश में फैल गए हैं। मानवाधिकार संगठनों के अनुसार, सुरक्षा बलों की कार्रवाई में अब तक करीब 2000 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि हजारों को हिरासत में लिया गया है। कई इलाकों में इंटरनेट बंद होने से हालात की पूरी तस्वीर सामने आना मुश्किल बना हुआ है।

अपने संदेश में ट्रंप ने प्रदर्शनकारियों से यह भी कहा कि वे हिंसा करने वालों और हमलों में शामिल लोगों के नाम याद रखें, क्योंकि उन्हें "भारी कीमत" चुकानी पड़ेगी। पोस्ट के अंत में उन्होंने नया नारा MIGA (मेक ईरान ग्रेट अगेन) दिया है। इसे विश्लेषक ईरान में सत्ता परिवर्तन के तौर पर देख रहे हैं। इस बीच ट्रंप ने ईरानी नेतृत्व के साथ संभावित सभी वार्ताएं रद्द कर दी हैं। जब तक प्रदर्शनकारियों पर हिंसा नहीं रुकती, तब तक बातचीत नहीं होगी।

ईरान की यात्रा न करें भारतीय: एडवाइजरी

नई दिल्ली। भारत ने ईरान में बिगड़ते सुरक्षा हालात के बीच अपने नागरिकों के लिए सख्त यात्रा सलाह जारी की है। नई दिल्ली ने ईरान में मौजूद भारतीय नागरिकों से जल्द से जल्द देश छोड़ने को कहा है। यह एडवाइजरी क्षेत्र में बढ़ते तनाव, संभावित अमेरिकी सैन्य कार्रवाई और ईरान में जारी व्यापक विरोध प्रदर्शनों को देखते हुए जारी की गई है, जिनमें अब तक 2500 से अधिक लोगों की मौत की खबर है। भारतीय दूतावास ने नागरिकों को सतर्क रहने, प्रदर्शन स्थलों से दूर रहने और अपने दस्तावेज़ तैयार रखने की सलाह दी है।

आज बादल छाए रहेंगे बरसेंगे नहीं, घना कोहरा रहेगा

चंडीगढ़ का AQI 234 दर्ज किया गया, वहीं पंचकूला में स्थिति और गंभीर रही AQI 284 दर्ज हुआ

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

चंडीगढ़ और पंजाब में कड़ाके की ठंड का प्रकोप लगातार जारी है। लोहड़ी के अगले ही दिन चंडीगढ़ में न्यूनतम तापमान गिरकर 2.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस सीजन का अब तक का सबसे कम तापमान है। ठंडी हवाओं और घने कोहरे ने त्योहार की रौनक फीकी कर दी और लोग ठिठुरते नजर आए। पंचकूला और मोहाली घने से बेहद घने कोहरे की चादर में लिपटे रहे। प्रमुख सड़कों और हाईवे पर दृश्यता बेहद कम रही, जिससे यातायात प्रभावित हुआ और वाहन चालकों को धीमी गति से चलना पड़ा। चंडीगढ़ मौसम वेधशाला के अनुसार, न्यूनतम तापमान सामान्य से चार डिग्री कम रहा, जबकि अधिकतम तापमान 15.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो औसत से तीन डिग्री कम है। हवा में अधिक नमी के कारण ठंड और ज्यादा चुभती महसूस हुई- अधिकतम 94 प्रतिशत और न्यूनतम 65 प्रतिशत रिकॉर्ड की गई।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, 13 जनवरी को शाम 4 बजे चंडीगढ़ का AQI 234 दर्ज किया गया, जो 'खराब' श्रेणी में है, जबकि पंचकूला में स्थिति और गंभीर रही और वहां AQI 284 रिकॉर्ड किया गया। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि कम हवा की रफ्तार, तापमान में उलटाव (इनवर्जन) और लगातार कोहरे के कारण प्रदूषक तत्व जमीन के पास ही फंसे रहते हैं। पंजाब के अधिकतर हिस्सों में भी कड़ाके की ठंड का असर बना हुआ है। राज्य में न्यूनतम तापमान 1 से 4 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया, जो सामान्य से करीब 2.5 डिग्री कम है। मैदानी इलाकों में होशियारपुर 1.1C के साथ सबसे ठंडा रहा, जबकि अमृतसर और बल्लोवाल सौंखड़ी में 1.3C, पठानकोट में 2.8C, गुरदासपुर में 3.2C, बठिंडा में 3.4C और आदमपुर व हलवारा में 3.6C न्यूनतम तापमान रिकॉर्ड किया गया। पंजाब में घना से बेहद घना कोहरा भी परेशानी का कारण बना हुआ है। अमृतसर में शून्य दृश्यता, फरीदकोट में 25 मीटर, जबकि बठिंडा, आदमपुर, हलवारा और लुधियाना में 50 मीटर से भी कम दृश्यता दर्ज की गई। गुरदासपुर में दृश्यता 60 मीटर और पटियाला में करीब 100 मीटर रही, जिससे सड़क और रेल यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ।

धुंध में ढका हुआ स्वर्ण मंदिर। - समर न्यूज

पेज 1 एंकर स्टोरी विदेश मंत्रालय ने दौरे की राजनीतिक मंजूरी नहीं दी, 10 दिनों का दौरा प्रस्तावित था

सीएम मान के यूके-इज़राइल दौरे को केंद्र की नामंजूरी

समर न्यूज़ | चंडीगढ़/नई दिल्ली

विदेश मंत्रालय (एमईए) ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और उद्योग मंत्री संजीव अरोड़ा को फरवरी में प्रस्तावित यूके और इजरायल यात्रा के लिए राजनीतिक मंजूरी देने से इनकार कर दिया है। दोनों नेता एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने वाले थे, जिसका उद्देश्य पंजाब में निवेश आकर्षित करना था।

सरकारी सूत्रों ने बताया कि डिप्लोमैटिक पासपोर्टधारक मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ-साथ प्रतिनिधिमंडल के अन्य सदस्यों को भी राजनीतिक मंजूरी नहीं दी गई।

सूत्रों के अनुसार, यह दौरा करीब 10 दिनों का प्रस्तावित था और इसे पिछले वर्ष जापान व दक्षिण कोरिया की तर्ज पर तैयार किया जा रहा था, जहां राज्य सरकार ने उद्योग और निवेश को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न बैठकों और कार्यक्रमों में भाग लिया था। प्रोटोकॉल के तहत किसी भी मुख्यमंत्री या मंत्री की विदेश यात्रा से पहले विदेश मंत्रालय संबंधित देश के दूतावास या उच्चायोग को प्रस्तावित कार्यक्रम भेजता है और उनकी प्रतिक्रिया के आधार पर राजनीतिक मंजूरी दी जाती है।

इस मामले में हालांकि एमईए ने मंजूरी नहीं दी और इसके पीछे कोई स्पष्ट कारण भी नहीं बताया गया। प्रस्तावित 25 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल में उद्योग मंत्री संजीव अरोड़ा, मुख्य सचिव केएपी सिन्हा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव रवि भगत, उद्योग एवं निवेश विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और अन्य प्रशासनिक अधिकारी शामिल थे। पंजाब सरकार मार्च महीने में राज्य में एक निवेशक शिखर सम्मेलन आयोजित करने की भी तैयारी कर रही है, ऐसे में इस विदेशी दौरे को उससे पहले निवेशकों को आकर्षित करने की दिशा में अहम माना जा रहा था।

सीएम भगवंत सिंह मान और मंत्री संजीव अरोड़ा को दौरे पर जाना था। - समर न्यूज

जाने की अनुमति नहीं दी गई थी। उस समय केंद्र सरकार ने कहा था कि मुख्यमंत्री 'जेड-प्लस' सुरक्षा श्रेणी में आते हैं और कम समय में विदेश यात्रा के लिए सुरक्षा प्रबंध संभव नहीं थे।

इसके बाद अगस्त 2025 में पंजाब सरकार के कैबिनेट मंत्री हरभजन सिंह को अमेरिका के बोस्टन में आयोजित नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ स्टेट लेजिस्लेचर्स (एनसीएसएल) में भाग लेने की अनुमति भी नहीं दी गई थी।

सूत्रों ने बताया कि आमतौर पर राजनीतिक मंजूरी मिलने के बाद ही यात्रा कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया जाता है, होटल बुकिंग और अन्य व्यवस्थाएं की जाती हैं। संबंधित देश का दूतावास या उच्चायोग सरकार और निवेशकों के साथ बैठकों के आयोजन में भी मदद करता है। फिलहाल इस दौरे की तारीख भी तय नहीं की गई थीं। इस मामले पर संपर्क करने पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने टिप्पणी करने से इनकार करते हुए कहा कि किसी भी यात्रा को अनुमति देने या न देने में कई स्तरों पर आकलन किया जाता है।

थाईलैंड में रेल हादसे में 25 लोगों की मौत

80 से ज्यादा यात्री घायल हुए, ट्रेन पर क्रेन गिरने से हुआ हादसा

एजेंसी | बैंकॉक/नाखोन राचसिमा

थाईलैंड में बुधवार को एक भीषण रेल हादसे में कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई, जबकि 80 से अधिक यात्री घायल बताए जा रहे हैं। यह दुर्घटना उस समय हुई जब एक भारी क्रेन अचानक यात्री ट्रेन पर गिर पड़ा, जिससे ट्रेन पटरी से उतरकर पलट गई। हादसे के बाद कई यात्रियों के मलबे में फंसे होने की आशंका जताई जा रही है। यह दुर्घटना नाखोन राचसिमा प्रांत के सिखियो जिले में हुई, जो राजधानी बैंकॉक से करीब 230 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में स्थित है। ट्रेन बैंकॉक से उबोन राचथानी जा रही थी। हादसे के समय ट्रेन में करीब 195 यात्री सवार थे। अधिकारियों के मुताबिक, ट्रेन में कुल तीन डिब्बे थे, जिनमें से आखिरी दो डिब्बों को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा। स्थानीय मीडिया द्वारा प्रसारित लाइव फुटेज में घटनास्थल पर अफरा-तफरी का माहौल नजर आया। रंग-बिरंगी यात्री ट्रेन एक तरफ पलटी हुई थी और मलबे से धुआं उठता दिखाई दे रहा था। राहत और बचाव दल मौके पर पहुंचकर घायलों को निकालने में जुटे रहे। हालांकि, अधिकारियों ने बताया कि घटनास्थल पर रासायनिक रिसाव की आशंका के चलते कुछ समय के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन को रोकना पड़ा। स्थानीय प्रशासन के अनुसार, अब तक कई शवों को मलबे से बाहर निकाला जा चुका है और घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। मृतकों की पहचान की प्रक्रिया जारी है।

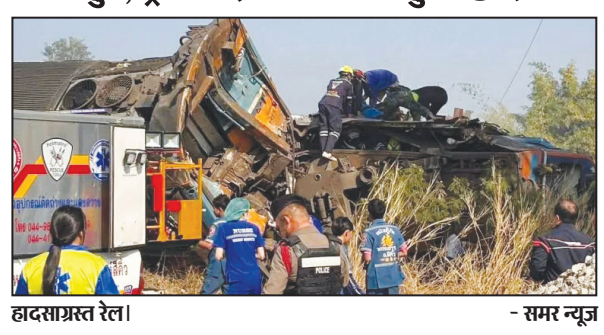

हादसाग्रस्त रेल। - समर न्यूज